Seventeenth Loksabha

an>

Title : Holiday on Friday in Urdu schools of Bihar

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, बिहार में संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं। बिहार में जितने भी स्कूल्स हैं, वहां साफ नियम है कि जो सरकारी स्कूल्स हैं, वे रविवार को बंद होंगे और जो उर्दू स्कूल्स हैं, वे शुक्रवार को बंद होंगे। मैं इसमें कभी कुछ नहीं कहना चाहता हूं, लेकिन पूरे सीमांचल क्षेत्र में चाहे वह किशनगंज हो, पूर्णिया हो, अररिया हो, सभी जगहों पर शुक्रवार को छुट्टी दी जा रही है। भारत सरकार मध्यान्ह भोजन शुक्रवार को देती है, वह नहीं बंट पाता है। वहां पूरे पैसे का घोटाला हो रहा है और संविधान से ऊपर कोई व्यक्ति कैसे हो सकता है?

मेरे क्षेत्र मझरिया में एक उर्दू स्कूल है। वहां पर एक भी अल्पसंख्यक बच्चा नहीं पढ़ता है फिर भी वहां पर जबर्दस्ती शुक्रवार को छुट्टी कराई जाती है, यह कहते हुए कि यह उर्दू स्कूल है। वहीं सीमांचल के क्षेत्र में एक पूरी साजिश के तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण शुक्रवार को स्कूल में छुट्टी कराई जा रही है। वहां पर मध्याह्न भोजन का घोटाला हो रहा है और बिहार सरकार पूरी तरह से चुप है। अभी पीरपैंती में भी श्रीमती नीलम देवी जी की जघन्य हत्या हुई है और वहां के पुलिस अधीक्षक कहते हैं कि "नहीं, यह मामला पैसे उधार लेने का है।" वे पूरे अल्पसंख्यक समाज को अपमानित कर रहे हैं। एक महिला की इतनी बुरी तरह से हत्या की जाती है और आप इसे पैसे उधार लेने से जोड़ रहे हैं तो यह बहुत ही शर्मनाक बात है।